चयनित, परिष्कृत एवं निर्धारित शोध समस्या

प्रो. विजय कुमार कौल
निदेशक एवं अध्यक्ष
कंप्युटेशनल भाषाविज्ञान
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

परिभाषा:

- **शोध बिंदु:** वृहद सामान्य क्षेत्र में चुनाव एवं अनुसंधान की आवश्यकता है, यह एक विस्तृत विचार या अवधारणा है जिससे कई समस्याओं का विवरण प्रस्तुत किया जा सकता है।

- शोध समस्या: एक परिस्थिति जिसका समाधान वर्णित, परिभाषित, एवं पूर्वनिर्धारित होत है। यह एक असंतोषजनक परिस्थिति होती है जिसका आपको सामना करना होता है।

जारी....

- यदि किसी भी क्षेत्र में ज्ञान का व्यापक अंतर हो जिसमे अनुसंधान की आवश्यकता हो, तो शोध समस्या इस अंतर को ढूंढ कर, शोध हेतु शोध समस्या बनाया जा सकता है।

- शोध वर्णन: एक शोध हमेशा वही दर्शाता है जोकि पठित होता है।

जारी....

शोध कथन मे निम्न बिन्दुओं को जोड़ा गया है...

1. शोध से संबन्धित जानकारी जो पठन पाठन कि प्रक्रिया को बल दे।
2. समस्या के भविष्यत क्षेत्र (लोग जो इससे प्रभावित हो सकते है।)
3. इस समस्या पर अध्ययन करने कि विशेष आवश्यकता

जारी....

- भाषा शिक्षण/भाषा संगणकीयकरण इस शोध से कैसे प्रभावित हो।
- लोगो का इस शोध के प्रति रुझान
- भाषा एवं तकनीकी क्षेत्र में इससे आने वाले बदलाव
- एक सम्पूर्ण लक्ष्य को भेदने एवं भेदन प्रक्रिया का प्रलेखन

समस्या विवरण:

- कंप्युटेशनल भाषाविज्ञान एवं भाषा शिक्षण एक वृहद स्तर का शिक्षण प्रारूप है। यह मानविय भाषा को मशीन या फिर अन्य तकनिकियों से जोड़ता है।
- आज के इस आधुनिक युग में भाषा से संबन्धित शोध कई प्रकार से आधुनिक नीतियों से भाषा को इंसान के करीब ला रहे है।
- आधुनिकीकरण के इस युग में मानव अपनी भाषाओं को छोड़कर रोजगार कि भाषा को अपना रहा है जो कि भाषाओं के विलूप्तीकरण के लिए एक असीम खतरा है।

शोध उद्देश्य:

- यह एक प्रकार का अनिश्चित लक्ष्य है, जो यह बताता है कि उक्त समस्या का चुनाव एवं अध्यन क्यों किया गया।

- इस अध्यन का उदेश्य क्या है एवं यह कैसे मानव एवं मानवीय भाषा से संबन्धित है।

शोध समस्या:

- यह मुख्य उदेश्य हेतु समस्या के पदान्वय की एक प्रक्रिया है जो शोध को उतकृश बनाने हेतु प्रयोग किया जाता है।

- वो प्रश्न जो आसान एवं सरलतम रूप से उत्तर देने योग्य हो।
- यह प्रश्नोत्तर प्रक्रिया डाटा पर आधारित होता है।

शोध समस्या:

- शोध समस्या के निम्न उदाहरण:

शोध समस्या के स्त्रोत:

- भाषिक मुद्दे
- वाह्य भाषिक मुद्दे के स्त्रोत
- शोध आवश्यकता
- ज्ञान क्षेत्र
- भाषाविज्ञान अवलोकन

शोध समस्या का विकास:

शोध समस्या के निम्न बिन्दु:-

- शोध समस्या के सामान्य लिखें
- इस स्तर पर यह नहीं देखा जाता की टर्म बड़ा है या छोटा, विशिष्ट है की अविशिष्ट।
- मुख्य मुद्दो को पृष्ट पर लिख कर उसका अवलोकन कर उसकी विचारधारा के साथ गहन आध्यान किया जाए।

जारी...

प्रथम चरण:

समस्त मुद्दो को एक साथ लिखे

- मुख्य बिन्दुएँ
  - विशिष्ट मुद्दे
  - उपयुक्त / उनुपयुक्त मुद्दे
- फिर उसमें से उनके उपयुक्त

जारी...

द्वितीय चरण:

- विशिष्ट मुद्दे
- मुद्दो को किस- किस बिन्दु से देखा गया है
- जुड़े हुए लोगो की प्रतिकृया
- एवं शोधार्थी का जुड़ाव
- अनुभव
- मूल्य एवं आधार
- संबन्धित जोखिम एवं तत्व
- योगदान

जारी...

तृतीय चरण:

- अगर शोध समस्या निर्धारित हो तो शोधार्थी को शोध क्षेत्र का संक्षिप्त कर लेना चाहिए
- संबन्धित शोध के अन्य कई संभावित प्रश्न
- संबन्धित शोध से प्रश्नो का चयन एवं उपयुक्तता के आधार पर उसका विश्लेषण

पूनरावलोकन...

- मीमांसात्मक संरचना
- प्रणाली
- डाटा एकत्रीकरन प्रणाली
- डाटा एकत्रीकरन टूल्स
- डाटा एकत्रीकरन पद्धति
- नमूना प्रणाली

जारी...

पंचम चरण:

- कथन में वर्णित
- यह कथन शोधरथियों शोध हेतु सही मापदंड को निर्देशित करता है।

जारी...

पंचम चरण:

उक्त शोध समस्या में निम्न प्रकार की विशेषताएँ होनी आवश्यक है।

- पठित कथन में कुंजी की खोज
- दो एवं अन्य कुंजी के बीच संबंध
- उक्त पठन का जनसंख्या से संबंध
- शोध के प्रकार को लागू करना
- शोध के वातावरण का

जारी...

शोध समस्या के दो रूपों में रेखांकित किया जायेगा

- वरणात्मक: भाषाविदों के कार्य एवं संतुष्टि के बीच संबंध
- प्रश्नात्मक: क्या भाषाविद एवं उनके शोधकार्य के बीच का संबंध संतुष्टि से है।

शोध समस्या का सम्पूर्ण आंकलन

समय: सभी शोध बिन्दुओं लगे समयों की अवधि

समयान्तर: प्रत्येक शोध बिन्दुओं पर रखे गए समय की अवधि

मूल्य: शोधरथियों द्वारा पूछे गए निम्न प्रश्न

- शोध को पूर्ण करने हेतु उपयुक्त राशि
- क्या शोध को निधि प्रदान करने हेतु कोई स्त्रोत है
- क्या अनुमानित राशि उक्त शोध हेतु पर्याप्त है।

शोध समस्या के निम्न बिन्दु

- शोध हेतु शोधर्थियों की उपलब्धता
- सदाचार का महत्व
- सुविधाएं एवं उपकरण
- अन्य सुविधाएं
- शोध योग्यता
- शोध के योग्यता एवं अनुभव
- शोध समस्या की महत्वता

शोध प्राकल्पना...

- शोध बिन्दुओं को पढ़ने के उपरांत बनयी प्राकल्पना, जोकि निर्धारित क्षोद बिन्दुओं से संबन्धित हो।

- चुकी शोध प्रकल्पना शोध के उदेश्यों को रेखांकित करता है जो की सम्पूर्ण आध्यान के बाद एक निष्कर्ष को प्रस्तुत करता है।

जारी...

- यह शोध के भिन्न प्रकार को दिशा निर्देश देता है
- यह प्रकार्य, प्रणाली, डेटा एकत्रीकरण जैसे बिन्दुओं को जोरता है
- सांखिकीय प्रक्रिया को शोध मे जोड़ने हेतु निर्दिष्ट करता है
- प्रयोग किए गए तथ्यों को Manipulate एवं measure करता है

जारी...

- शोध समस्या पूर्ण रूप से स्पष्ट, संक्षिप्त, तुलनीय एवं वर्तमान काल में होना चाहिए
- शोध प्रकल्पना की शुरुवात स्पष्टता, संक्षिप्तता, एवं मापित यह तीनों बिन्दुएँ ध्यान में होनी चाहिए।

जारी...

मुख्य तीन बिन्दुएँ

- प्रत्येक प्रकल्पना का शोध से अंतरण संबंध हो
- तथ्य/परिस्थिति/संबंध तीनों जांचनीय हो
- शोध के उदेश्य यह निर्देशित करे की शोध-प्रकल्पना में क्या जुड़ना चाहिए।

जारी...

- जब शोध का उदेश्य वर्णित हो तो वह जनसंख्या आधार एवं शोध तथ्य को इसमें जोड़े।
- जब शोध उदेश्य वर्णित हो तो जनसंख्या एवं तथ्यों के अंतरसंबंध स्पष्ट हो।
- जब शोध उदेश्य वर्णित हो तो शोधरती को जनसंख्या एवं मुक्त तथ्यों की स्थिति पूर्ण स्पष्ट हो।